ISSN : 2583-2948

राष्ट्र निर्माण में भारतीय नौसेना की भूमिका

डॉ. शिवम तिवारी
भारतीय सैन्य सेवा में सेवारत
ईमेल – shivamtiwari1129@gmail.com
मो. - 8318420153

भारत, ऋक-युग से ही एक सुगठित, सुघटित राष्ट्र रहा है| वैदिक युग से भारत 'राष्ट्र' एवं 'राष्ट्रत्व' से परिचित रहा है| राष्ट्रवाद को भारतीय मनीषा ने मात्र एक भाव, एक विचार नहीं, वरन संस्कार का रूप दिया है| यह संस्कार राष्ट्र की अस्मिता, इयत्ता, गरिमा की रक्षा के साथ-साथ राष्ट्र की भौगोलिक सीमाओं की संरक्षा, राष्ट्र के उत्कर्ष के साथ राष्ट्र की सुख-समृद्धि आदि के निमित्त लोगों को व्यवहार्यतः 'सद्-आचारी' बनाने का उपक्रम है| इस प्रकार, भारतीय मनीषियों ने किसी वाद या आन्दोलन का नाम दिए बिना ही 'राष्ट्रवाद' को मनोभाव या कि विचार और संस्कार से आगे बढ़ कर 'सद्-आचार' के रूप में सुस्थापित किया है| तेनेव, 'भारतीय राष्ट्रवाद' कोई काल्पनिक विचार नहीं, बल्कि वस्तुनिष्ठ आधारों पर आधृत एक व्यावहारिक वास्तविकता है|

राष्ट्र निर्माण दो शब्दों से मिलकर बना है, राष्ट्र और निर्माण, जिसमें राष्ट्र का अर्थ है देश और निर्माण का अर्थ है रचना करना| राष्ट्र निर्माण – देश को विकसित करने के लिए जरूरी कदम उठाना और देश की संस्कृति और सभ्यताओं को विश्व स्तर पर पहचान दिलाना है| आमतौर पर भारत का प्रत्येक नागरिक एवं संस्थाएं राष्ट्र निर्माण में अपने हिस्से का योगदान देती हैं परन्तु वर्तमान परिदृश्य में भारतीय नौसेना, समुद्री सीमाओं एवं राष्ट्र की सुरक्षा के साथ-साथ राष्ट्र निर्माण की अहम् कड़ी बनकर उभरी है| ऐसे में राष्ट्र निर्माण में भारतीय नौसेना के योगदान का उल्लेख करना अत्यंत समीचीन है|

भारत तीन ओर से समुद्र से घिरा राष्ट्र है| इसकी तटरेखा 7516.6 किमी लम्बी है| भारत मूल समुद्रवाहित व्यापार में उच्च हिस्सेदार होने सहित सामरिक रूप में फैला हुआ भारतीय महासागरीय समुद्रवर्ती राष्ट्र है| आर्थिक रूप से संपन्न होने के कारण देश की सीमाओं को स्वतंत्र और सदैव मुक्त रखने के लिए भारतीय नौसेना के साथ घनिष्ठ रूप से जुड़ा हुआ है| इसके अतिरिक्त व्यापार से जुड़े लाभों, हमारे दूरस्थ द्वीपीय क्षेत्रों की सुरक्षा भारतीय नौसेना की सर्वोच्च प्राथमिकता है| समुद्रवर्ती सुरक्षा के मद्देनजर भारतीय नौसेना राष्ट्र का अभिन्न अंग है|

भारतीय नौसेना का गठन वर्ष 1612 में किया गया था| 17वीं शताब्दी के मराठा सम्राट छत्रपति शिवाजी भोसले को भारतीय नौसेना को जनक माना जाता है| उस समय ईस्ट इंडिया कंपनी ने अपनी जहाज़ों की सुरक्षा के लिए ईस्ट इंडिया कंपनी की समुद्री सेना के रूप में नौसेना का गठन किया था| वर्ष 1686 तक ब्रिटिश व्यापार पूरी तरह से मुंबई में स्थानांतरित हो गया था| इसके बाद इस दस्ते का नाम 'ईस्ट इंडिया मरीन' से बदलकर 'बॉम्बे मरीन' कर दिया गया| जिसे बाद में 'रॉयल इंडियन नेवी' का नाम दिया गया| भारत की स्वतन्त्रता के बाद भारतीय नौसेना को वर्ष 1950 में पुनः पुनर्गठित किया गया और इसका नाम बदलकर 'भारतीय नौसेना' कर दिया गया| गौरवशाली अतीत के क्रम में विशालकाय एवं एडवांस फीचर से लैस युद्ध पोतों, पनडुब्बियों, युद्धक विमानों और मरीन कमांडों के विशेष पराक्रम की वजह से भारतीय नौसेना दुनिया के खाके में अपना विशिष्ट स्थान रखती है|

भारतीय नौसेना न केवल भारतीय सामुद्रिक सीमाओं अपितु भारतीय सभ्यता एवं संस्कृति की भी रक्षक है| इसका आदर्श वाक्य "शं नो वरुणः (जल के देवता वरुण हमारे लिए मंगलकारी रहें)" है| "स्वयं से पहले सेवा" यानि सबसे पहले राष्ट्र

सेवा, यह प्रत्येक नौसैनिक का ध्येय होता है| 'विजय, विजय और विजय' के एकमात्र लक्ष्य के साथ हम नौसैनिक पूर्ण मनोयोग से माँ भारती के सेवा-सुरक्षा में सदैव समर्पित रहते हैं| भारतीय नौसेना की संक्रियात्मक क्षमताएँ बहुआयामी हैं|

मात्रा के हिसाब से 90 प्रतिशत व्यापार और मूल्य के हिसाब से लगभग 70 प्रतिशत व्यापार महासागरों के माध्यम से होता है| कच्चे तेल में भारत की आवश्यकता का लगभग 78 प्रतिशत और प्राकृतिक गैस में 28 प्रतिशत समुद्र के माध्यम से ही आयातित किया जाता है| हमारे घरेलू उत्पादन में से 50 प्रतिशत कच्चा तेल एवं 79 प्रतिशत प्राकृतिक गैस अपतटीय उत्पादन द्वारा प्राप्त होता है| 2.02 मिलियन वर्ग किमी के विशेष आर्थिक क्षेत्र के अन्दर ऑफसेट परिसंपत्तियां, मत्स्य पालन एवं गहन समुद्री हितों, छोटे-बड़े बंदरगाह एवं लम्बी तटीय रेखा तथा द्वीपीय क्षेत्रों की समुद्रवर्ती सुरक्षा सहित हमारे समुद्रवर्ती क्षेत्रों के अन्य अहम् पहलू भारतीय नौसेना के अहम् उत्तरदायित्व हैं| सुरक्षा ही स्थिरता लाती है और स्थिरता ही विकास को सक्षम बनाती है। यह एक यथार्थ चक्र है। राष्ट्रीय धन, राष्ट्रीय शक्ति के विकास को सक्षम बनाता है| समुद्री शक्ति, राष्ट्रीय शक्ति के प्रमुख तत्वों में से एक है। समुद्री वर्चस्व, जो राष्ट्रीय समुद्री शक्ति द्वारा संभव बनाया गया है| निर्बाध व्यापार सुनिश्चित करता है, जिससे राष्ट्रीय संपत्ति मजबूती के साथ आगे बढ़ती है|

भारतीय नौसेना आत्म निर्भरता के प्रति राष्ट्रीय प्रयास के साथ सामंजस्य स्थापित करते हुए स्वदेशीकरण के स्वर्णिम मार्ग पर विवेकपूर्ण तरीके से आगे बढ़ने में सफल हो रही है| तदनुसार, भारतीय नौसेना रक्षा अनुसंधान और विकास संगठन एवं रक्षा सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों की सहायता से पोतों का स्वदेशी निर्माण और प्रमुख उप प्रणालियों, सेंसरों तथा आयुध प्रणालियों के विकास के लिए विशेष रणनीति तैयार करके आगे बढ़ रही है|

आदिकाल से वर्तमान तक हमारा राष्ट्र समूची दुनिया में भारत, भारतीयता एवं भारतीय संस्कृति का परचम लहराता रहा है| आजादी के बाद नॉर्वे दुनिया का पहला देश था, जिसने भारत को स्वतंत्र राष्ट्र के रूप में स्वीकार किया था| दुनिया के अधिकाँश देशों के साथ भारत के अंतर्राष्ट्रीय संबंध बहुत ही प्रगाढ़ एवं सुमधुर हैं| आज पूरी दुनिया भारत को एक महाशक्ति के रूप में स्वीकार करके हमारी भारतीय संस्कृति, संस्कार एवं मातृभाषा हिन्दी को आत्मसात करने में जुटी है| ऐसे में राष्ट्र के एक महत्वपूर्ण अंग के रूप में भारतीय नौसेना स्वयं पूरे विश्व में संस्कृतियों के आदान-प्रदान के साथ-साथ एक अच्छा सम्बन्ध स्थापित करने में महती भूमिका निभा रही है|

'मेक इन इंडिया' भविष्य की आर्थिक समृद्धि का सूचक है| भारतीय नौसेना, जो 'मेक इन इंडिया' अभियान की सफलता में प्रमुख हितधारक है| एक बड़े राष्ट्र के रूप में भारत, मौसम विज्ञान और जल विज्ञान आदि में दुनिया की जिम्मेदारियों का एक बड़ा हिस्सा रखता है। भारतीय नौसेना मौसम संबंधी और हाइड्रोलॉजिकल डेटा के अध्ययन में राष्ट्र की सहभागी बनकर प्रमुख योगदान देती है| नौसेना के जहाज, विमान और पनडुब्बियां पूरे हिंद महासागर क्षेत्र से समुद्री सूचनाओं हेतु बारहमासी स्रोत के रूप में बनी रहती है। भारतीय नौसेना के बड़े हाइड्रोग्राफी विभाग सुरक्षित रूप से नेविगेट करने के लिए समुद्री चार्ट का उत्पादन करता है, जो कि समुद्री यातायात साथ ही मछुआरे के लिए अत्यंत आवश्यक एवं लाभकारी साबित होता है|

प्रकृति का अनुपम विधान ब्राह्मांड, जिसकी अनुपम कृति मानव, उसकी नैतिक जिम्मेदारी है कि वह उपहार स्वरुप प्राप्त प्राकृतिक संसाधनों का अनुकूलतम उपयोग करे| उद्दाम भोगवाद से ऊपर उठकर अतिवादिता से बचते हुए आध्यात्मिक सोच के साथ प्राकृतिक आपदाओं से उबरने के लिए प्रकृति से प्रेम करे| भारतीय नौसेना के आवासीय एवं कार्यालयी क्षेत्रों में मानक से अधिक वृक्षों का हरा-भरा दिखाना भारतीय नौसेना के प्रकृति संरक्षण एवं संवर्धन का अनुपम उदाहरण है| भारतीय नौसेना, नौसैनिक और उनके परिवारों के माध्यम से जिम्मेदार आदतों को विकसित करती है, जिससे वे समाज को जीवन भर सुवासित करते हैं|

समूचा भारत, भारतीय नौसेना पर सदैव गौरवान्वित रहता है| भारतीय नौसेना राजनीति, धर्म या किसी अन्य अवयव से प्रभावित हुए बिना अपने कर्तव्यों का पालन करती है। भारत के साथ-साथ विदेशों में बार-बार होने वाली प्राकृतिक आपदाओं के दौरान भारतीय नौसेना द्वारा किए गए बचाव और पुनर्वास कार्य प्रत्येक भारतीय को गर्व और आत्मविश्वास में बांधते हैं। संघर्षग्रस्त देशों से भारतीय नागरिकों की निकासी या पीड़ित देशों को मानवीय सहायता जैसी राष्ट्र की आतंरिक एवं बाह्य विभिन्न प्रकार की उथल-पुथल में भारतीय नौसेना को कार्रवाई सदैव उल्लेखनीय रही है|

भारतीय नौसेना समाज के लिए सदैव प्रेरणास्पद रही है| वर्ष 2008 के ताज हमले के दौरान भारतीय नौसेना के जांबाज मरीन कमांडों द्वारा किया गया सफल ऑपरेशन शौर्य एवं वीरत्व का प्रतीक रहा है| वर्ष 2017-18 में भारतीय नौसेना की छह महिला अधिकारियों द्वारा 21600 समुद्री मील की जलयात्रा ने युवतियों और बच्चों को जो सकारात्मक ऊर्जा दी, वह कल्पना से परे है। कैप्टन दिलीप डोंडे और कमांडर अभिलाष टॉमी द्वारा की गई तीन प्रसिद्ध समुद्री जलयात्रा हर भारतीय को प्रेरित करने के साथ रोमांच की भावना फैलाने में भारतीय नौसेना की प्रतिबद्धता को दर्शाती है। नौसेना के ओलंपियन मोहम्मद अनस, चेकोस्लोवाकिया में एक कार्यक्रम में 400 मीटर दौड़ में राष्ट्रीय रिकॉर्ड बनाया और तेजिंदरपाल सिंह तूर, शॉट पुट में एशियाई खेलों का स्वर्ण जीता। पद्मश्री नंगगोम डिंको सिंह ने मुक्केबाजी में एशियाई खेल में स्वर्ण पदक हासिल किया| विभिन्न रूपों में भारतीय नौसेनिक ने सदैव देश का मान बढाने का काम कर रही है|

वर्ष 2017 में राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद ने स्वयं यह कहा था कि राष्ट्र निर्माण में नौसेना की भूमिका बहुत ही उल्लेखनीय एवं प्रशंसनीय है। वर्ष 2023 में सैन्य कमांडर कांफ्रेंस के दौरान रक्षा मंत्री ने देश के सबसे भरोसेमंद और प्रेरक संगठनों में से एक के रूप में भारतीय नौसेना सहित भारतीय सेना पर अरबों से अधिक नागरिकों के विश्वास की पुष्टि की| उन्होंने हमारी समुद्री सीमाओं की रक्षा करने, आतंकवाद से लड़ने के अलावा नागरिक प्रशासन को जब भी आवश्यकता हो, सहायता प्रदान करने में भारतीय नौसेना द्वारा निभाई गयी भूमिका की प्रशंसा की| रक्षा मंत्री ने यह भी कहा कि "देश में स्थिर आतंरिक स्थिति को बनाए रखने के लिए सुरक्षा और चिकित्सा सहायता से सभी क्षेत्रों में भारतीय नौसेना सर्वव्यापी है| राष्ट्र निर्माण के साथ-साथ समग्र राष्ट्रीय विकास में भी भारतीय नौसेना की भूमिका महत्वपूर्ण है| राष्ट्र को अपनी सेना पर गर्व है|"

'हर काम देश के नाम' इस ध्येय वाक्य को चरितार्थ करते हुए भारतीय नौसेना देश की एकता, अखंडता एवं सीमाओं की रक्षा हेतु सदैव तत्पर रहती है| भारतीय नौसेना को 'साइलेंट सर्विस' के रूप में जाना जाता है। अनदेखे और अनसुने हजारों ऐसे किस्से हैं, जो हमारे देश में शांति और समृद्धि लाने के लिए, महासागरों की असंख्य चुनौतियों का सामना करते हुए, हर समय राष्ट्र की रक्षा करते हैं। वे जो राष्ट्र-निर्माण करते हैं, वह राष्ट्रीय एकता को सुगम बनाता है। राष्ट्रीय एकता, राष्ट्रीय समृद्धि और राष्ट्रीय मूल्यों की संबल है| आज समूचा भारत सहर्ष राष्ट्र निर्माण में भारतीय नौसेना की भूमिका को समझने और स्वीकार करने लगा है।